अमर उजाला

Sirsa News: 51 हजार के नकली नोटों सहित तीन युवक गिरफ्तार, 400 रुपये में दे रहे थे 1000 रुपये

सिरसा। एंटी नारकोटिक्स सेल ने तीन युवकों को 51 हजार रुपये के नकली नोटों सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 200-200 रुपये के 255 नकली नोट भी बरामद किए हैं। आरोपी 400 रुपये में 1000 रुपये कीमत के नोट बदलकर दे रहे थे। शिकायत के आधार पर शहर थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

एंटी नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज दाता राम ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि तीन युवक नकली नोट चला रहे हैं। सूचना आई थी कि उक्त आरोपी 400 रुपये के बदले 1000 रुपये दे रहे हैं। पुलिस ने जांच की तो आरोपियों के नाम पता चले। बताया गया कि मुकेश उर्फ मोनू निवासी बालासर रानियां हाल किरायेदार गुरु नानक नगर, गुरमीत सिंह व शंकर लाल निवासी भादड़ा स्कूटी पर सवार होकर ऑटो मार्केट व कीर्तिनगर एरिया में लोगों को 200-200 रुपये के नकली करेंसी नोट दे रहे हैं। आरोपी 400 रुपये के बदले एक हजार रुपये के नकली करेंसी नोट देते हैं। सूचना पाकर उनकी टीम ऑटो मार्केट क्षेत्र में गश्त करते हुए पहुंची।

स्कूटी सवार तीनों युवकों ने पुलिस की टीम को देखकर स्कूटी रोक ली और वापस मुड़ने का प्रयास किया। इस दौरान उनकी स्कूटी गिर गई। टीम ने उक्त युवकों से पूछा तो स्कूटी चालक ने अपना नाम मुकेश उर्फ मोनू निवासी बालासर रानियां हाल किराएदार गुरु नानक नगर बताया। स्कूटी से गिरने के कारण चालक के हाथ पर चोट भी लगी है। टीम ने शक के आधार पर दूसरे युवक से पूछताछ की तो उसने गुरमीत सिंह निवासी भादड़ा सिरसा व तीसरे ने शंकर लाल भादड़ा सिरसा होने की जानकारी दी। पुलिस ने उक्त युवकों से स्कूटी वापस मोड़ने का कारण पूछा तो युवकों ने नकली करेंसी नोट होना स्वीकार किया। टीम ने उक्त युवकों की स्कूटी की जांच की तो स्कूटी की डिक्की में 255 नकली नोट 200-200 रुपये के पाए गए। नकली नोटों की कुल राशि 51 हजार पाई। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह नकली नोट गुरी वासी पटियाला से लेकर आए थे। वह फोन के माध्यम से उसके साथ संपर्क साधकर पटियाला बस अड्डे से नकली नोट लेकर आए। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एक पेंशन बनाने का तो दूसरा लाइसेंस बनाने का करता था काम

आरोपी शंकर और मुकेश आपस में रिश्तेदार हैं जबकि गुरप्रीत उनके गांव का ही है। तीनों आरोपी मिलकर बीते तीन वर्ष से नकली नोट करेंसी का काम कर रहे थे। वहीं शंकर कुमार गांव में ही बुजुर्गों की पेंशन बनाने का काम करता है जबकि गुरमीत लोगों के लाइसेंस बनाने के लिए एजेंट का काम करता है।

Source: https://www.amarujala.com/haryana/sirsa/sirsa-news-sirsa-news-hsr6483218151